भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2468

जिसका उत्तर 13 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

बिहार में पीएमकेएसवाई के अंतर्गत परियोजनाएं

2468. श्री रामप्रीत मंडल:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के अंतर्गत बिहार में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं के नाम क्या हैं;

(ख) उक्त परियोजनाओं के अंतर्गत उपयोग की जा रही निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) पानी की कमी का सामना कर रहे बिहार के जिलों में सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं के नाम क्या हैं; और

(घ) क्या सरकार उपर्युक्त योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश भर में कोई आकलन कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से (ग): प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) वर्ष 2015-16 के दौरान शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य खेत पर पानी की भौतिक पहुंच बढ़ाना और सुनिश्चित सिंचाई के अंतर्गत कृषि योग्य क्षेत्र का विस्तार करना, खेत पर जल उपयोग दक्षता में सुधार करना, स्थायी जल संरक्षण प्रथाओं आदि को शुरू करना था।

पीएमकेएसवाई एक अम्ब्रेला योजना है, जिसमें इस मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे दो प्रमुख घटक शामिल हैं, अर्थात् त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) और हर खेत को पानी (एचकेकेपी)। एचकेकेपी उप-घटक में चार शामिल हैं, कमांड क्षेत्र विकास और जल प्रबंधन (सीएडी और डब्ल्यूएम), सतही लघु सिंचाई (एसएमआई), जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और पुनर्स्थापना (आरआरआर), और भूजल (जीडब्ल्यू) विकास घटक। तथापि, एचकेकेपी का उप-घटक सीएडी और डब्ल्यूएम एआईबीपी के साथ-साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा, पीएमकेएसवाई में दो घटक भी शामिल हैं जिन्हें अन्य मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) घटक कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा

है। पीएमकेएसवाई के वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी) को भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के अंतर्गत, दुर्गावती जलाशय परियोजना और पुनपुन बैराज परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा है, जिससे बिहार के कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद जिले को लाभ मिलेगा। दुर्गावती जलाशय परियोजना में सीएडीडब्लूएम को एआईबीपी के साथ-साथ कार्यान्वित किया जा रहा है। बिहार में कार्यान्वित किए जा रहे पीएमकेएसवाई के विभिन्न घटकों के संबंध में जारी केंद्रीय सहायता का ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(घ): नीति आयोग के अंतर्गत विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) ने वर्ष 2015-2020 की अवधि के लिए पीएमकेएसवाई का मूल्यांकन किया है। पीएमकेएसवाई के अधिकांश घटकों को कार्यनिष्पादन की प्रासंगिकता, दक्षता, प्रभाव और इक्विटी मापदंडों के संदर्भ में संतोषजनक माना गया है।

*****

<u>अनुलग्नक</u>

"बिहार में पीएमकेएसवाई के अंतर्गत परियोजनाएं" के संबंध में दिनांक 13.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2468 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पीएमकेएसवाई घटक/परियोजना	**बिहार को जारी केंद्रीय सहायता (करोड़ रुपए में)**
पीएमकेएसवाई-एआईबीपी-दुर्गावती जलाशय परियोजना	176.26
पीएमकेएसवाई-एआईबीपी- पुनपुन बैराज परियोजना	84.48
पीएमकेएसवाई- सीएडीडब्ल्यूएम- दुर्गावती जलाशय परियोजना	40.73
पीएमकेएसवाई - प्रति बूंद अधिक फसल	112.21
पीएमकेएसवाई - वाटरशेड विकास घटक	154.95

*****